मौखिक अभिव्यक्ति हेतु विभिन्न पद्धतियाँ

मौखिक अभिव्यक्ति की निम्नलिखित पद्धतियाँ प्रचलित हैं

(1) वार्तालाप विधि
(2) वाचन स्मरण विधि
(3) प्रश्नोत्तर विधि
(4) कहानी एवं भाषण
(5) दृश्य तथा वर्णन विधि
(6) भाव गीत तथा कविता
(7) नाटक विधि

(1) वार्तालाप विधि - ~~कक्षा~~ में

कक्षा में अध्यापक बात करते हैं और वार्तालाप होता है, जिससे मौखिक अभिव्यक्ति विकसित होता है। छात्र आपस में भी वार्तालाप करते हैं जिससे उनकी मौखिक भाषा विकसित होता है।

जैसे

शिक्षक से वार्तालाप उ०

(1) तुम्हारा नाम क्या है? — ईश्वर

(2) तुम्हारे पिता का क्या नाम है? — मेरे पिता का नाम गोपाल कुमार

(१) वार्तालाप विधि

इस विधि द्वारा छात्रों से मौखिक अभ्यास कराया जाता है। अध्यापक छात्रों पर कुछ प्रश्नों को लिखा देता है और तथा उन छात्रों को मौखिक भाषा द्वारा पूर्ण करने के लिए कहा हूआ

जैसे ~~एक~~ तोता है।

(२) चार्ट विधि :- जैसे

चार्ट चित्र के द्वारा छात्र प्रश्न के उत्तर ~~को~~ मौखिक भाषा के द्वारा व्यक्त करता है।

(३) प्रश्नोत्तर विधि : अध्यापक छात्रों से पाठ्यवस्तु से सम्बन्धित प्रश्न पूछता है तथा छात्र उसे मौखिक अभिव्यक्ति द्वारा उसका उत्तर देता है। इस प्रकार अध्यापक प्रश्नोत्तर विधि द्वारा छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति को विकसित करता है।

जैसे - अध्यापक
प्रश्न (1) दो सजीव का नाम बताओ।

उत्तर छात्र - गाय, बकरी

अध्यापक (2) ~~कहानी~~ कहानी क्या है?

कहानी के समान ही मनोरंजन के सन्दर्भ में चुटकुले एवं अनुभव के वर्णन छात्रों के समक्ष प्रस्तुत अध्यापक प्रस्तुत करता है। अध्यापक अपने जीवन की किसी एक अनुभव को सुनाता है तथा छात्रों को भी प्रेरित करता है।

(5) दृश्य एवं घटना वर्णन :- अध्यापक

छात्रों को दृश्य एवं घटना के वर्णों में प्रवृत्त करता है। कोई अध्यापक किसी मेले का दृश्य बताकर बालक को मेले का वर्णन करने के लिए कहता है। बालक मेले में खिलौने, सर्कस, तमाशों के दृश्य का विस्तार अपना वर्णन करता है। अध्यापक कक्षा में छात्रों के समक्ष दृश्य एवं घटना का वर्णन करता है तथा उससे छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति को विकसित करता है। इस प्रकार दृश्य एवं घटना वर्णन के माध्यम से छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होता है।

(6) बाल गीत एवं कविताएँ :- छोटी कक्षाओं

कक्षाओं में बाल गीत एवं कविता के माध्यम से छात्रों की अभिव्यक्ति व मौखिक भाषा उत्पन्न की जाती है। बाल गीत एवं कविता के द्वारा छात्रों में बातचीत और विचार की क्षमता विकसित होती है।